PAPER-II
SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

S 7 3 1 3

Time : **1 $^{1}/_{4}$** hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **8**

Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal / polythene bag on the booklet. Do not accept a booklet without sticker-seal / without polythene bag and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Paper I Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील / पोलिथीन बैग को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील / बिना पोलिथीन बैग की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई अंक काटे नहीं जाएँगे ।**

संस्कृत-परम्परागत विषय:

संस्कृत-परम्परागत विषय

SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

प्रश्नपत्रम् – II

प्रश्नपत्र – II

Paper – II

संकेत : अस्मिन् प्रश्नपत्रे **पञ्चाशत् (50)** बहुविकल्पीय प्रश्ना: सन्ति । तेषु प्रतिप्रश्नमङ्कद्वयम् । **सर्वे** प्रश्ना: उत्तरणीया: ।

टिप्पणी : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें ।

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions of **two (2)** marks each. Attempt **all** the questions.

समुचितं विकल्पं चिनुत :

समुचित विकल्प चुनिए :

Select correct option :

1. शने: मूलत्रिकोणराशिरस्ति –

शनि की मूलत्रिकोण राशि है –

मूलत्रिकोणराशि of शनि –

(A) वृषभराशि:

(B) तुलाराशि:

(C) मकरराशि:

(D) कुम्भराशि:

2. "हेली" संज्ञाऽस्ति –

"हेली" संज्ञा है –

"हेली" संज्ञा is –

(A) अर्कस्य

(B) भौमस्य

(C) शने:

(D) राहो:

3. केन्द्रत्रिकोणयो: सम्बन्धेन भवति –

केन्द्र और त्रिकोण के सम्बन्ध से होता है –

The relation between केन्द्र and त्रिकोण begets –

(A) सुनफायोग:

(B) वेशियोग:

(C) राजयोग:

(D) दरिद्रयोग:

4. गोलपरिवर्तनं भवति –

गोलपरिवर्तन होता है –

'गोलपरिवर्तन' happens –

(A) मेषतुलाराशौ

(B) मकरकर्कराशौ

(C) तुलावृश्चिकराशौ

(D) कर्कसिंहराशौ

5. क्षयमासो भवति –

क्षयमास होता है –

क्षयमास is –

(A) असंक्रान्तिमास:

(B) द्विसंक्रान्तिमास:

(C) एकसंक्रान्तिमास:

(D) अमान्तमास:

6. एकस्मिन् कल्पे मनूनां संख्या भवति –

एक कल्प में मनुओं की संख्या होती है –

The number of मनु during one कल्प, is –

(A) विंशति:

(B) एकसप्तति:

(C) चतुर्दश

(D) पञ्चदश

7. वेदस्य मुखमस्ति –
वेद का मुख है –
The मुख of वेद is –
(A) ज्योतिषम्
(B) छन्दः
(C) निरुक्तम्
(D) व्याकरणम्

8. वार्तिककारोऽस्ति –
वार्तिककार हैं –
वार्तिककार is –
(A) पाणिनिः
(B) पतञ्जलिः
(C) कात्यायनः
(D) भर्तृहरिः

9. 'घि' संज्ञाविधायकं सूत्रमस्ति –
'घि' संज्ञा-विधायक सूत्र है –
The सूत्र enjoining घि-संज्ञा is –
(A) दाधा घ्वदाम्
(B) शेषो घ्यसखि
(C) द्वन्द्वे घि
(D) शेषे विभाषा

10. प्रयोगसमवेतार्थ स्मारको भवति –
प्रयोगसमवेतार्थ स्मारक है –
प्रयोगसमवेतार्थ स्मारक is –
(A) अर्थवादः
(B) विधिः
(C) प्रयोगः
(D) मन्त्रः

11. एकमुद्दिश्य द्वयोर्विधाने _____ भवति ।
एक को उद्देश्य करके दोनों के विधान से _____ होता है ।
एकमुद्दिश्य द्वयोर्विधाने, there occurs _____.
(A) कर्मभेदः
(B) नामभेदः
(C) वाक्यभेदः
(D) उभयभेदः

12. परस्पराकाङ्क्षा भवति –
परस्पराकांक्षा है –
परस्पराकांक्षा is –
(A) प्रमाणम्
(B) प्रकरणम्
(C) स्थानम्
(D) निरूपणम्

13. दीधितिकारोऽस्ति –
दीधितिकार है –
The author दीधिति commentary, is
(A) रघुनाथशिरोमणिः
(B) रघुनाथाचार्यः
(C) जगदीशभट्टाचार्यः
(D) गङ्गेशोपाध्यायः

14. सुखोपलब्धिर्भवति –
सुख की उपलब्धि होती है –
सुख is obtained by –
(A) चक्षुषा
(B) मनसा
(C) घ्राणेन
(D) प्राणेन

15. व्यापकद्रव्यं भवति –
व्यापकद्रव्य होता है –
The व्यापकद्रव्य is –
(A) परमाणुः
(B) मनः
(C) आकाशः
(D) वायुः

16. सांख्यकारिकायाः टीकाकारोऽस्ति –
सांख्यकारिका के टीकाकार हैं –
Commentator on सांख्यकारिका, is –
(A) गौडपादः
(B) ईश्वरकृष्णः
(C) विद्यारण्यमुनिः
(D) परमानन्दमुनिः

17. अभ्यासवैराग्याभ्यां भवति –
अभ्यास-वैराग्यों से होता है –
अभ्यास and वैराग्य causes –
(A) प्राणनिरोध:
(B) वृत्तिनिरोध:
(C) इन्द्रियनिरोध:
(D) अज्ञाननिरोध:

18. मूलप्रकृति: जगतो भवति –
मूलप्रकृति जगत् की होती है –
For जगत्, मूलप्रकृति is –
(A) कारणम्
(B) कर्त्री
(C) अकर्त्री
(D) किमपि न

19. 'ऋणं कृत्वा घृतं पिबेत्' इति सिद्धान्तोऽस्ति ।
'ऋणं कृत्वा घृतं पिबेत्' – सिद्धान्त है –
'ऋणं कृत्वा घृतं पिबेत्' – is the principle
(A) चार्वाकस्य
(B) बौद्धस्य
(C) जैनस्य
(D) मीमांसाया:

20. प्रमाणद्वयं अङ्गीकुर्वन्ति –
दो प्रमाण स्वीकार करते हैं –
Two pramanas are accepted by –
(A) पूर्वमीमांसका:
(B) बौद्धा:
(C) योगिन:
(D) जैना:

21. शून्यवादोऽस्ति –
शून्यवाद है –
शून्यवाद is –
(A) जैनानाम्
(B) बौद्धानाम्
(C) वैशेषिकाणाम्
(D) चार्वाकाणाम्

22. 'मधुवाता ऋतायते' इत्यत्र 'ऋत' शब्दस्यार्थोऽस्ति –
'मधुवाता ऋतायते' यहां 'ऋतु' शब्द का अर्थ है –
'मधुवाता ऋतायते' – here, the meaning of the term 'ऋत' is –
(A) कल्पितम्
(B) यज्ञ:
(C) स्वर्ग:
(D) लौकिकम्

23. शुक्लयजुर्वेदस्य गृह्यसूत्रमस्ति –
शुक्ल यजुर्वेद का गृह्यसूत्र है –
The गृह्यसूत्र related to शुक्लयजुर्वेद, is –
(A) बौधायनगृह्यसूत्रम्
(B) शांखायनगृह्यसूत्रम्
(C) आश्वलायनगृह्यसूत्रम्
(D) पारस्करगृह्यसूत्रम्

24. माध्यन्दिनीयशतपथब्राह्मणे काण्डानि सन्ति
माध्यन्दिनीय शतपथ ब्राह्मण में काण्ड हैं
In माध्यन्दिनीय शतपथब्राह्मण, काण्डs are –
(A) पञ्चदश
(B) नव
(C) चतुर्दश
(D) दश

25. 'कथालक्षणं'मिति ग्रन्थस्य कर्ताऽस्ति –
'कथालक्षणम्' ग्रन्थ के रचयिता हैं –
The author of कथालक्षणम्, is –
(A) जयतीर्थ:
(B) आनन्दतीर्थ:
(C) व्यासतीर्थ:
(D) राघवेन्द्रतीर्थ:

26. न्यायविवरणस्य रचयितुर्नाम –
न्यायविवरण के रचयिता का नाम –
The author of the न्यायविवरण –
(A) मध्वाचार्य:
(B) जयन्तभट्ट:
(C) उदयनाचार्य:
(D) रघुनाथशिरोमणि:

27. 'जगद्व्यापारवर्जम्' इति सूत्रेण बोध्यते –
'जगद्व्यापारवर्जम्' इस सूत्र से बोध होता है –
'जगद्व्यापारवर्जम्' – this sutra suggests –
(A) जीवेश्वरभेदतत्त्वम्
(B) जीवन्मुक्तलक्षणम्
(C) जडेश्वरभेदतत्त्वम्
(D) ब्रह्मण: तटस्थलक्षणम्

28. परिवादो भवति –
'परिवाद' है –
परिवाद is –
(A) व्यवहारदर्शनम्
(B) बहिष्करणम्
(C) साक्ष्यम्
(D) दोषकीर्तनम्

29. अग्निदिव्ये मण्डलानि सन्ति –
अग्निदिव्य में मण्डल हैं –
In अग्निदिव्य, मण्डलs are –
(A) एकादश
(B) नव
(C) पञ्च
(D) चत्वारि

30. सुवर्णस्तेयकृद्विप्र: – इत्यत्र विप्रशब्दस्यार्थोऽस्ति –
सुवर्णस्तेयकृद्विप्र: – यहाँ विप्र शब्द का अर्थ है –
सुवर्णस्तेयकृद्विप्र: – here, the term विप्र means –
(A) ब्राह्मण:
(B) क्षत्रिय:
(C) नर:
(D) वैश्य:

31. शब्दार्थयो: सहभाव: –
शब्द और अर्थ का सहभाव ____ कहलाता है ।
(A) व्याकरणम्
(B) साहित्यम्
(C) दर्शनम्
(D) ज्यौतिषम्

32. 'चतुर्विंशतिसाहस्रीसंहिता' महाकाव्यमस्ति
'चतुर्विंशतिसाहस्रीसंहिता' का महाकाव्य है
'चतुर्विंशतिसाहस्रीसंहिता' is Mahakavya –
(A) रघुवंशम्
(B) जानकीहरणम्
(C) रामायणम्
(D) भट्टीकाव्यम्

33. शान्तरसस्य संस्थापकाचार्योऽस्ति –
शान्त रस के संस्थापक आचार्य हैं –
Founder of शान्त रस is –
(A) भरत:
(B) भामह:
(C) कुन्तक:
(D) मम्मट:

34. वृत्तप्रधानमस्ति –
वृत्तप्रधान है –
वृत्तप्रधान is –
(A) पुराणम्
(B) इतिहास:
(C) वेदाङ्गम
(D) निरुक्तम्

35. शान्तिपर्वणि दुर्गसंख्या –
शान्तिपर्व में दुर्गसंख्या हैं –
दुर्गसंख्या in शान्तिपर्व is
(A) पञ्च
(B) नव
(C) षट्
(D) एकादश

36. वायुपुराणे _____ माहात्म्यं वर्णितमस्ति ।
वायुपुराण में _____ माहात्म्य वर्णित है ।
In वायुपुराण greatness of _____ is described
(A) विष्णोः
(B) वायोः
(C) सूर्यस्य
(D) शिवस्य

37. शिववक्त्रेभ्यः आगतोऽस्ति ।
शिवमुखों से आया है ।
From the faces of शिव _____ is manifested.
(A) वेदः
(B) पुराणम्
(C) आगमः
(D) इतिहासः

38. शारदातिलकग्रन्थोऽस्ति ।
शारदातिलक ग्रन्थ है –
शारदातिलक is the work –
(A) दर्शनस्य
(B) आगमस्य
(C) बौद्धस्य
(D) चार्वाकस्य

39. प्रपञ्चसारग्रन्थकारोऽस्ति –
प्रपञ्चसार ग्रन्थ के रचयिता हैं –
The author of the work प्रपञ्चसार is –
(A) रामानुजाचार्यः
(B) सुरेश्वराचार्यः
(C) शङ्कराचार्यः
(D) भास्कराचार्यः

40. जीवब्रह्मैक्य सिद्धान्तोऽस्ति –
जीवब्रह्मैक्य सिद्धान्त है –
The tenet of जीवब्रह्मैक्य is –
(A) विशिष्टाद्वैतवेदान्तस्य
(B) अद्वैतवेदान्तस्य
(C) माध्ववेदान्तस्य
(D) योगशास्त्रस्य

41. केचन बहुजीवाज्ञानवादिनः सन्ति –
कुछ बहुजीवाज्ञानवादी हैं –
Some बहुजीवाज्ञानवादी belong to –
(A) अद्वैतवेदान्ते
(B) द्वैतवेदान्ते
(C) शुद्धाद्वैतवेदान्ते
(D) द्वैताद्वैतवेदान्ते

42. करुणरसप्रधानं नाटकमस्ति –
करुणरसप्रधान नाटक है –
The drama of करुणरस prodominence is –
(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् ।
(B) महावीरचरितम् ।
(C) उत्तररामचरितम् ।
(D) स्वप्नवासवदत्तम् ।

43. 'उषाहरणम्' इति महाकाव्यस्य रचयितुर्नाम –

'उषाहरणम्' इस महाकाव्य के रचयिता हैं –

The author of उषाहरणम् Mahakavya is –

(A) कुमारदास:

(B) त्रिविक्रमपण्डित:

(C) जगन्नाथपण्डित:

(D) नीलकण्ठदीक्षित

44. 'तलवकारोपनिषत्' सम्बद्धाऽस्ति –

'तलवकारोपनिषत्' सम्बद्ध है –

तलवकारोपनिषत् is related –

(A) ऋग्वेदेन

(B) यजुर्वेदेन

(C) सामवेदेन

(D) अथर्ववेदेन

45. भृगुं प्रति वरुणोपदेश: विद्यते –

भृगु के प्रति वरुणोपदेश है –

Varuna's advice to भृगु is there

(A) छान्दाग्योपनिषदि

(B) तैत्तिरीयोपनिषदि

(C) बृहदारण्यकोपनिषदि

(D) षट्प्रश्नोपनिषदि

46. शम्भुमतेन संस्कृतवर्णानां संख्या अस्ति –

शम्भु के मतानुसार संस्कृतवर्णों की संख्या है –

According to शम्भु, the number of संस्कृतवर्णs is –

(A) 48

(B) 42

(C) 64

(D) 47

47. _____ विभक्ते: कारकविभक्ति: बलीयसी ।

_____ विभक्ति से कारकविभक्ति बलवती होती है ।

कारक विभक्ति is superior to _____ विभक्ति ।

(A) सुबन्तपद

(B) तिङन्तपद

(C) उपपद

(D) उपसर्ग

48. जगत् ब्रह्मणो भवति ।

जगत् ब्रह्म का होता है ।

जगत् is _____ of Brahman.

(A) परिणाम:

(B) विवर्त:

(C) कार्यम्

(D) किमपि न

49. 'मा गृध: कस्यस्विद्धनम्' इति _____ विद्यते ।

'मा गृध: कस्यस्विद्धनम्' यह वाक्य _____ है ।

'मा गृध: कस्यस्विद्धनम्' is in the _____.

(A) ईशावास्योपनिषदि

(B) काठकोपनिषदि

(C) तैत्तिरीयोपनिषदि

(D) केनोपनिषदि

50. विभिन्नदर्शनतत्त्वानां प्रमुखोद्देश्यमस्ति –

विभिन्न दर्शन के तत्त्वों का प्रमुख उद्देश्य है –

The main purpose of different philosophical systems is –

(A) दु:खनाश:

(B) मोक्षप्राप्ति:

(C) संसारबन्धनाश:

(D) परमात्मसाक्षात्कार:

Space For Rough Work